भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 1069

सोमवार, 29 जुलाई, 2024/7 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

मिथिला क्षेत्र में पर्यटन का विकास

1069. श्री गोपाल जी ठाकुर:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उत्तर बिहार (मिथिला क्षेत्र) में पर्यटन के विकास हेतु सहायता प्रदान करने के लिए कोई योजनाएं/कार्यक्रम कार्यान्वित किए हैं;

(ख) क्या मिथिला क्षेत्र में दर्जनों ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल हैं जिनका संरक्षण, संवर्धन और पर्यटन स्थलों के रूप में विकास किए जाने की आवश्यकता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा विगत पांच वर्षों के दौरान बिहार राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कितनी निधि आवंटित की गई है; और

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान बिहार राज्य में पर्यटन विकास की रूपरेखा सहित स्वीकृत परियोजनाओं, आवंटित और उपयोग की गई निधि का जिले-वार और योजना-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन' और 'प्रशाद' नामक अपनी वर्तमान में जारी केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके अवसंरचना विकास के प्रयासों में सहायता करता है। स्वदेश दर्शन योजना के तहत, पर्यटन मंत्रालय ने बिहार राज्य में 262.72 करोड़ रुपये की राशि से 5 परियोजनाओं को मंजूरी दी है और प्रशाद योजना के तहत मंत्रालय ने 45.17 करोड़ रुपये की राशि से 2 परियोजनाओं को पहले ही मंजूरी दे दी है। उपर्युक्त परियोजनाओं का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

पर्यटन मंत्रालय ने हाल ही में गंतव्य और पर्यटन केन्द्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0

(एसडी 2.0) का नया रूप दिया है। मंत्रालय ने राज्यों/ संघ राज्यक्षेत्रों के परामर्श से और योजना के दिशानिर्देशों के अनुरूप एसडी 2.0 के तहत विकास के लिए देश में 57 गंतव्यों की पहचान की है, जिसमें बिहार में 'गया' और 'नालंदा' शामिल हैं।

इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' (सीबीडीडी) नामक उप-योजना के लिए दिशानिर्देश भी जारी किए हैं, जिसके तहत पर्यटन मंत्रालय ने बिहार राज्य में संस्कृति और विरासत गंतव्य श्रेणी के तहत विकास के लिए 'भागलपुर' और 'सारण जिला (सोनपुर मेला)' सहित 42 गंतव्यों की पहचान की है।

पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, मंत्रालय मेलों और महोत्सवों तथा पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मंत्रालय ने वर्ष 2019-20 में सोनपुर मेले और राजगीर महोत्सव हेतु प्रत्येक के लिए 25.00 लाख रुपये की मंजूरी दी है।

****

अनुबंध

श्री गोपाल जी ठाकुर द्वारा मिथिला क्षेत्र में पर्यटन का विकास के संबंध में दिनांक 29.07.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 1069 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में विवरण

(i) बिहार राज्य में स्वदेश दर्शन योजना के चिह्नित थीमेटिक परिपथों के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा। (राशि करोड़ रु में)

क्र सं	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	परिपथ/ स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि	उपयोग की गई राशि
1.	बिहार	तीर्थंकर परिपथ 2016-17	वैशाली-आरा- मसाद-पटना- राजगीर- पावापुरी-चंपापुरी का विकास	33.96	30.04	29.36
2.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	कांवरिया मार्ग का विकास: सुल्तानगंज-धर्मशाला-देवघर	44.76	42.52	42.17
3.	बिहार	बौद्ध परिपथ 2016-17	बौद्ध परिपथ का विकास-बोधगया में कन्वेंशन सेंटर का निर्माण	95.18	95.18	93.22
4.	बिहार	ग्रामीण परिपथ 2017-18	भितिहरवा-चंद्रहिया-तुरकौलिया का विकास	44.27	40.31	39.96
5.	बिहार	आध्यात्मिक परिपथ 2017-18	मंदार हिल और अंग प्रदेश का विकास	44.55	42.32	42.32

(II) बिहार राज्य में प्रशाद योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(राशि करोड़ रु में)

राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत	जारी की गई राशि
बिहार	1	पटना साहिब में विकास	2015-16	41.54	33.23
	2	विष्णुपद मंदिर में मूलभूत सुविधाओं का विकास	2014-15	3.63	3.63

****